



# हिन्दी साहित्य

टेस्ट-4  
(प्रश्न पत्र-II)

DTVF  
OPT-24 **HL-2404**

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक : 250  
Maximum Marks : 250

नाम (Name): Karmveer Narwadia

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? ☐ हाँ ☒ नहीं ☐

मोबाइल नं. (Mobile No.): \_\_\_\_\_

ई-मेल पता (E-mail address): \_\_\_\_\_

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 4 / 4 Aug. 2024

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2024] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2024]:

0 8 0 5 5 9 6

## Question Paper Specific Instructions

*Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:*

*There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS.*

*Candidate has to attempt FIVE questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each section.*

*The number of marks carried by a question/part is indicated against it.*

*Answer must be written in HINDI (Devanagari Script).*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly*

*Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.*

*Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

कुल प्राप्तांक (Total Marks Obtained): \_\_\_\_\_

टिप्पणी (Remarks): \_\_\_\_\_

मूल्यांकनकर्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)  
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)  
Reviewer (Code & Signatures)





## Feedback

- |                                             |                                                |
|---------------------------------------------|------------------------------------------------|
| 1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)      | 2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)     |
| 3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)  | 4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)                 |
| 5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता) | 6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता) |
- 



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

2

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)





## खण्ड - क

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित पद्यांशों की लगभग 150 शब्दों में संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या लिखिये:

10 × 5 = 50

(क) दोपहर की उस घड़ी में मीडोज अलसाया-सा उँघता जान पड़ता था। जब हवा का कोई भूला-भटका झोंका आ जाता था, तब चीड़ के पत्ते खड़खड़ा उठते थे। कभी कोई पक्षी अपनी सुस्ती मिटाने झाड़ियों से उड़कर नाले के किनारे बैठ जाता था, पानी में सिर डुबोता था, फिर उड़कर हवा में दो चार निरुद्देश्य चक्कर काटकर दुबारा झाड़ियों में दुबक जाता था।

किन्तु जंगल की खामोशी शायद कभी चुप नहीं रहती। गहरी नींद में डूबी सपनों-सी कुछ आवाजें नीरवता के हल्के झीने परदे पर सलवटे बिछा जाती हैं, मूक लहरों-सी तिरती हैं, मानो कोई दबे पाँव झाँककर अदृश्य संकेत कर जाता है, 'देखो, मैं यहाँ हूँ।'

उपरोक्त गद्यांश राजेन्द्र यादव द्वारा सम्पादित 'एक दुनिया समानांतर' कहानी संग्रह में निर्मल वर्मा की परिन्दें कहानी से उद्धृत है।

यह पंक्तियाँ पिकनिक पर लेच खत्म होने के बाद मीडोज के आलस्य से सन्दर्भित हैं।

निर्मल वर्मा जी सामाजिक मनोविज्ञान युक्त लेखक थे वे कहते हैं कि दोपहर मीडोज थोड़ा आलस्य से भर



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

3





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

जाया है। उस समय टवा का सोंक चल रहा है जिससे चील के पंते उड़ रहे हैं। पक्षी अपनी वित्थ क्रिया में पानी पी रहे हैं तथा डुबरी लगा रहे हैं। किन्तु जंगल में यह खामोशी चुप ना रहकर, सदा यह संदेश दे रही है कि कोई और भी उपस्थित है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

**विशेष**

- ① अन्तर्मन का चिह्न किया है।
- ② प्रकृति के समावेशन से मनोभावों का चिह्न किया है।
- ③ बिम्बात्मक भाषा प्रयोग में ली गई है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

4

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

- (ख) जब समस्त हिन्दू जाति की एक वैदिक सम्प्रदाय न रही तो वही मसल चरितार्थ हुई कि "एक नारि जब दो से फँसी जैसे सत्तर वैसे अस्सी"। हमारी एक हिन्दू जाति के असंख्य टुकड़े होते-होते यहाँ तक खण्ड हुए कि अब तक नये-नये धर्म और मत-प्रवर्तक होते ही जाते हैं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

उपरोक्त पंक्तियों भारतेन्दुचुगीन प्रमुख निबंधकार बालकृष्ण भट्ट के निबंध "साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है" से ली गई है। यह निबंध "निबंध निलय" नामक पुस्तक में संकलित है।

पंक्तियों में भट्ट जी ने हिन्दू जाति में वैदिक समय से लगातार हो रहे विभाजन की चर्चा की है।

निबंधकार भट्ट जी कहते हैं वैदिक काल में हिन्दू जाति एक अकेली थी लेकिन समयक्रम में वह अनेक भागों में विभाजित हो गई। जिससे नए-नए धर्मों तथा मत



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

5

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

मत प्रवर्तकों की उत्पत्ति हुई है।  
आज भी हिन्दु जाति के असंख्य  
खण्ड हो रहे हैं।

विशेष

- (i) लेखक ने मुहावरेदार या लोकोक्ति-युक्त भाषा का प्रयोग किया है।
- (ii) ऐतिहासिक वातावरण का घुट दिखाता है।
- (iii) ये पंक्तियाँ आज भी समाज में परिलक्षित होती हैं। कहा जा सकता है कि सार्थकता बनी हुई है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

6

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) कवित्व वर्णमय चित्र है, जो स्वर्गीय भावपूर्ण संगीत गाया करता है! अन्धकार का आलोक से, असत् का सत् से, जड़ का चेतन से, और बाह्य जगत् का अन्तर्जगत् से संबंध कौन कराती है? कविता ही न!

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रस्तुत पंक्तियाँ भारतीय नाट्य परम्परा के शैक्षणिक नाट्यकार जयशंकर प्रसाद के 'स्कंदगुप्त' से ली गई हैं। जयशंकर प्रसाद जी शैक्षणिक कलावर्ण को लेते हुए आधुनिक समस्याओं तथा वाद-विवादों को नाट्य का विषय बनाते हैं।

ये पंक्तियाँ 'स्कंदगुप्त' के पात्र 'मातृगुप्त' तथा 'विदूषक' के बीच संवाद का हैं, जहाँ मातृगुप्त उसे कविता के बारे में बता रहा है।

मातृगुप्त को जब विदूषक कविता की महत्त्वता पर प्रश्न पूछता है तब वे कहते हैं कि कविता



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिंगटन आर्केड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

7

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

इस भावों की श्रृंखला है जिससे  
शब्द संगीत की उत्पत्ति होती है  
जो अंधकार समाज में या व्यक्ति  
को प्रकाशित करती है, वही  
आत्मा को जड़ से, जड़ को  
चेतन से तथा बाह्य जगत का  
संबंध आन्तरिकता से बताती है।

कृपया इस स्थान में  
कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

विशेष

- (i) पंक्तियों की भाषा प्रवाहमयी है।
- (ii) तत्सम भाषा का प्रयोग हुआ है।
- (iii) कविता के बारे में ऐसा ही  
वर्णन शुक्ल जी "कविता क्या है"  
निबंध में करते हैं।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

8

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(घ) लक्षण कह रहे हैं कि बहुत जल्द हमारे वर्ग की हस्ती मिट जाने वाली है। मैं उस दिन का स्वागत करने को तैयार बैठा हूँ। ईश्वर वह दिन जल्द लाए। वह हमारे उद्धार का दिन होगा। हम परिस्थितियों के शिकार बने हुए हैं। यह परिस्थिति ही हमारा सर्वनाश कर रही है और जब तक संपत्ति की यह बेड़ी हमारे पैरों से न निकलेगी, तब तक यह अभिशाप हमारे सिर पर मँडराता रहेगा, हम मानवता का वह पद न पा सकेंगे, जिस पर पहुँचना ही जीवन का अन्तिम लक्ष्य है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रस्तुत गद्यांश आधुनिक काल के उपन्यास सम्राट प्रेमचंद जी के गोदान उपन्यास से लिया गया है। गोदान उपन्यास को आधुनिक काल का महाकाव्य कहा जा सकता है।

गोदान में पूँजीवाद का उदय तथा सामन्तवाद को ढहते हुए दिखाया गया है। राय साहब सामन्तवाद के प्रतीक हैं। उनके द्वारा ये पंक्तियाँ पार्सी में कही गई हैं।

राय साहब कहते हैं कि अब जल्द ही सामन्तवादी वर्ग की हस्ती मिटने वाली है क्योंकि पूँजीवादी सभ्यता का उदय हो रहा है मैं



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कैड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

9

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

चाहता हूँ यह दिन जल्द आए  
जब तक हमारे कंठों में ये संपत्ति  
की जंजीरे बाहर नहीं निकलेगी तब  
तक हमारा अस्तित्व नहीं बन पाएगा।  
हम परिस्थिति का बिकार हो गए  
हैं और परिस्थितियाँ ही हमारा सर्वाश्रय  
कर रही हैं। ऐसी स्थिति में मानवता  
के उच्च स्तर तक नहीं पहुँच पा रहे हैं,  
जहाँ तक पहुँचना स्वयं का लक्ष्य  
होता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

**विशेष** ① पूँजीवादी सभ्यता का उदय  
दिखाया है।

② संक्रमण काल का चित्रण है।

③ हिन्दुस्तानी भाषा शैली का  
प्रयोग किया है।

④ भाषा प्रवाहमयी है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

10





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ड) नहीं, ये बातें गिने-चुने मूर्खों को छोड़कर, अब किसी को परेशान नहीं करतीं। परेशान करना तो दूर, क्षण-भर के लिए भी किसी के दिमाग में नहीं आतीं। कुछ बातें, कुछ तथ्य, कुछ स्थितियाँ प्रचलित होते-होते सबके बीच इस तरह स्वीकृति पा लेती हैं कि वे फिर लोगों की सोच की सीमा में रहती ही नहीं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रस्तुत पंक्तियाँ बलद्वी काण्ड के बाद मन्नु भण्डारी के उपन्यास 'महाभोज' से लिया गया है जो दलित चेतना से संबद्ध काव्य है।

महाभोज में मन्नु भण्डारी ने दलित की मृत्यु पर हो रही राजनीति पर व्यंग्य किया है। ये पंक्तियाँ भी उसी सन्दर्भ में आरंभ हैं।

उपन्यास में भण्डारी जी लिखती हैं कि इतना कुछ काण्ड हो गया फिर भी ये बातें कुछ ही लोगों से घुमती हैं। ये अब किसी को परेशान नहीं करती। परेशान करना तो दूर बिली के भस्तिष्क में भी नहीं आती।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

11

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

ये सब बातें रतनी सामान्य हो  
गयी हैं कि रोज-रोज का काम  
हो गया है जिससे मनुष्य की  
सोच समझ में ये रतना प्रभाव  
नहीं डाल पाती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

विशेष

- ① "ह्युमन साइकोलोजी" से वर्णित किया गया है।
- ② भाषा प्रवाहमयी है।
- ③ तद्भव भाषा का प्रयोग किया है।
- ④ असामान्य से अनुसूल भाषा है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

12





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. (क) 'गोदान' भारतीय किसान के पूरे जीवन-संघर्ष और इसमें उसके पराभव की करुण गाथा है। इस कथन के संदर्भ में 'गोदान' का विवेचन कीजिये।

20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

'गोदान' प्रेमचंद जी का अन्तिम तथा सर्वोत्कृष्ट उपन्यास माना जाता है। यह 1936 में संकलित किया गया। इस उपन्यास में तत्कालीन समाज की जाति समस्या, सामन्तवादी शोषण, किसानों की समस्या, बेमेल विवाह इत्यादि समस्याओं का चित्रण किया है। ऐसी एक समस्या जिसे उभारा गया है वह है किसान का आत्मसंघर्ष तथा वाह्य संघर्ष, जिसके आगे टोरी की मौत भी हो जाती है।

गोदान की शुरुआत में ही टोरी तथा धनिया गाय की इच्छा व्यक्त करते हैं। वे कहते हैं "कौन नहीं चाहता कि घर के आगे गाय बंधी रहे" × × जिसका दूध पीकर बच्चे



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

13

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

स्वस्थ हो। इसके लिए वह गाय उधार पर ले आता है। गाय की मौत के बाद किसान का शोषण शुरू होता है।

गाय को लाने के क्रम में गोबर की मुलाकात सुनिया से होती है और सुनिया जब गर्भवती होकर होरी के घर आती है तो किसान पर मरजाद द्वारा भारी कर लगाया जाता है यह दिखाता है किसान का सामाजिक शोषण।

तत्पश्चात् होरी का शोषण भारी कर के साथ सामन्तवादी के द्वारा दिखाया गया है, जहाँ राय साहब जैसे जमींदार किसानों का पैसा वसूल कर रहे हैं। यह है किसानों का सामन्तवादी शोषण।

इसी क्रम में होरी द्वारा अपनी पुत्रियों रूपा तथा सोना की शादी



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

14

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

भी बेमेल विवाह से नी जानी हैं जिससे उनका भी लगातार शोषण होता है। यह दिखाता है किसानों के परिवारों का संघर्ष।

जोब  
जब किसान का कार्य से दुखी होकर शहर में जाता है तो वह वहाँ भी पूँजीवादी व्यवस्था में शोषण को महसूस करता है।

इसी क्रम में जब ऐसी शोषण की अनेक प्रताड़ना सहकर जब मृत्यु शय्या पर लेट चुका होता है तब भी वास्तव को 'जो' दान करना होता है जिस ऐसी नी जीवन भर रचता जाय की रही जिसका उससे जीवन संघर्ष बढ़ा। उसकी मौत के बाद भी 'जो दान' का संघर्ष दिखाया गया है।

इसके अलावा ऐसी के जीवन में 'साहसिक' (दुलारी) ने भी शोषण

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

15

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

व्यवस्था को जारी रखा था। उसी रूपसे चुकाने के बाद दूसरा से माँग लिए जाते थे।

होरी का संघर्ष ज्यादा सार्थक इसलिए दिखता है कि प्रेमचंद लेखन काल के भक्तिमत् समय में हृदय-परिवर्तन की भावना से कठोर यथार्थवाद की भक्तियुक्ति पर बल दे रहे थे, जिससे वे होरी जैसे किसान का संघर्ष तथा कष्टों की ~~कथा~~ गाथा को दिखाया है।

गोदान उपन्यास प्रेमचंद जी का तत्कालीन समाज में किसान संघर्ष की कथा है जो आज भी प्रासंगिक हो उठता है, जहाँ 1 घंटे में 15 किसान आत्महत्या कर रहे हैं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

16





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) 'श्रद्धा-भक्ति' निबंध के आधार पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध-शैली की विशिष्टताओं का उद्घाटन कीजिये।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी का हिन्दी निबन्ध परम्परा में वही स्थान है जो उपन्यास परम्परा में प्रेमचन्द जी का तो नाटक परम्परा में प्रसाद जी का।

शुक्ल जी मनोभावों के विषय पर निबंध ज्यादा लिखते थे। रसी रूप में उन्होंने "श्रद्धा-भक्ति" निबंध लिखा जिससे निबंध विशिष्टताओं को देखते हैं-

(I) मनोभावों को परिभाषित करना  
शुक्ल जी निबन्ध में 'मनोभावों' को परिभाषित करते हैं, वही रूप में निबन्ध की शुरुआत में ही उन्होंने श्रद्धा को परिभाषित किया है।

(II) शब्दों की मितव्यता  
शुक्ल जी के निबंधों में कम शब्दों में ज्यादा भावार्थ को दिखाया



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

17

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

जाता है जिससे सूत्र-शैली व्यक्त होती है। इसके प्रयोग से निबन्ध की प्रभाव क्षमता गुणित हो जाती है।

"

श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है।

(iii) प्रसंग के अनुकूल शब्दों का प्रयोग

आचार्य शुक्ल ने प्रसंगानुकूल शब्दों का प्रयोग किया है, जिससे निबन्ध की प्रभाव क्षमता बढ़ जाती है। वे लिखते हैं -

"

श्रद्धा में धनत्व विस्तार अधिक है।  
प्रेम में नहीं।"

(iv) वैज्ञानिक शैली का प्रयोग

वैज्ञानिकता युक्त भाषा शैली का प्रयोग किया है जिससे कम शब्दों में अधिक



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

18





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

अर्थमयी रचना को व्यक्त किया है। साथ ही कटु भाषा का भी प्रयोग किया है -

" वे उसी प्रकार फटकराये जाएंगे --  
जैसे शत्रु --- "

⑦ शब्द विधानों की शृंखला

एक शृंखला में शब्द विधान की रचना से भाव ज्यादा अच्छे से निकलता है तथा सामान्य पाठक के समक्ष में आता है।

" जब जनसाधारण से विशेष गुण व भाव देखकर --- श्रद्धा फैलाती है।

शिल्पगत तौर पर तदभाव तथा तत्समी शब्दों का प्रयोग किया है। मुहावरेदार भाषा भी कई जगह प्रयोग में है।

हम कह सकते हैं कि शुक्ल जी के निबन्ध वैशिष्ट्य की बराबरी आज तक हिन्दी साहित्य में कोई नहीं कर पाया है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

19

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) 'कविता क्या है' निबंध के आधार पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल की काव्य-दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

शुक्ल जी सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक आलोचना दोनों करते थे उन्होंने काव्य संबंधी सैद्धान्तिक आलोचना का प्रतिपादन अपने निबंध 'कविता क्या है' में किया है।

इस निबन्ध में शुक्ल जी को कविता को 'भावयोग' की संज्ञा देते हैं तथा भावयोग को 'रसयोग' तथा ज्ञान योग के समकक्ष रखते हैं।

"रूप्य की मुक्तावस्था में लीन होने की रसदशा को कविता कहते हैं।"

आगे शुक्ल जी काव्य दृष्टि में भावना, कल्पना, भाषा, उक्तिवैकल्प, यमत्कार, सौन्दर्य इत्यादि पर नजर डालते हैं।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

20

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

सर्वप्रथम कल्पना पर लिखते हैं किसी दूर वस्तु को सामीप्य बनाकर अनुभूति करा देना कल्पना होता है। कल्पना को विद्यार्थी तथा गृहक में विभाजित किया, जहाँ विद्यार्थी कल्पना कवि के लिए आवश्यक है तो गृहक पाठक के लिए।

अलंकार के विषय में शुक्ल जी ब्राम्ह, उद्घट की आलोचना करते हैं वे कहते हैं " जिस प्रकार एक कुस्प स्त्री --- उसी प्रकार अलंकारों का प्रयोग वांछनीय नहीं है।" इस क्रम में वे सूर की आलोचना भी करते हैं।

भाषा के सन्दर्भ में शुक्ल जी चित्रयुक्त भाषा पर बल देते हैं। वे कहते हैं - 'भाषा में बिम्ब ग्रहण अपेक्षित होता है।' साथ ही शब्द चयन में भी कवि तथा शास्त्र के लिए बताते हैं।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

21

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वही शब्दों की नाद सौन्दर्यता पर  
बल देते हैं जिससे कविता की  
उम्र बढ़ जाती है। वे उद्गार लिखते हैं  
छलकि छलकि समरै हयै।

उक्तिर्वचित्र में शुम्भ जी भावप्रेरित  
वक्रता को उपयुक्त मानते हैं, सूक्ष्म  
की प्रशंसा भी करते हैं लेकिन  
गुहिप्रेरित वक्रता का कटाका करते हैं।

शुम्भ जी सौन्दर्य को आन्तरिक  
पक्ष मानते हैं लेकिन वे कहते हैं-

"सौन्दर्य आन्तरिक होता है लेकिन  
जहाँ आन्तरिक व वास्तव दोनों हो  
उसका कहना ही क्या।"

इस तरह साहित्यिक समताओं को  
निबन्ध में व्यक्त किया है यह भूमिबोध  
के 'साहित्यिक शायरी' में आज भी  
पिख जाती है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

22





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (क) 'स्कंदगुप्त' नाटक की चरित्र-योजना की समीक्षा कीजिये।

20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्केड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

23

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

24





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

26

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) 'मैला आँचल' के पात्र बावनदास का चरित्र-चित्रण कीजिये।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कैड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

27

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न  
संख्या के अतिरिक्त कुछ  
न लिखें।

(Please do not write  
anything except the  
question number in  
this space)

कृपया इस स्थान में  
कुछ न लिखें।

(Please don't write  
anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

28





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

29

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) 'भोलाराम का जीव' कहानी स्वातंत्र्योत्तर भारत की कार्यपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करती है।' - विवेचन कीजिये।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)





कृपया इस स्थान में प्रश्न  
संख्या के अतिरिक्त कुछ  
न लिखें।

(Please do not write  
anything except the  
question number in  
this space)

कृपया इस स्थान में  
कुछ न लिखें।

(Please don't write  
anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

31

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (क) देशकाल, वातावरण और भाषा-शिल्प की दृष्टि से मैला आँचल की समीक्षा कीजिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

आंचलिक उपन्यासकार फणीश्वरनाथ रेणु ने 1952 में 'मैला आँचल' उपन्यास का लेखन कर्म किया। यह उपन्यास उनका शुद्धाती उपन्यास था लेकिन बाद के उपन्यास जैसे- कस्ति परती पीया से भी बेहतर दिखता है।

रेणु ने उपन्यास के शुद्भात में ही लिखा है-

"यह है मेरीगंज -- मैंने इस एक गाँव को पिछड़े गाँवों का प्रतीक मानकर साहित्य रच दिया।"

देशकाल वातावरण के अनुसार यह मेरीगंज गाँव या आंचल की कहानी है लेकिन रेणु ने इस गाँव को प्रतीक माना है। ऐसे गाँव हिन्दुस्तान के हर कोने में दिख जाएंगे जिससे यह उपन्यास देशकाल का अतिरूपण



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

33

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

करता है। तुलनात्मक स्तर पर देखते  
जोदान में प्रेमचंद जी की जोर  
विशेष सूचना देने से रहे हैं क्योंकि  
वे राष्ट्रियता को उपन्यास समर्पित कर  
रहे थे।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वातावरण में रेणु ने 1952 के  
समाज की सभी सामाजिक,  
आर्थिक, सांस्कृतिक स्थितियों को व्यक्त  
किया है। राजनीति में बाबूदास के  
द्वारा कांग्रेस का चरित्र तथा 'खेलावत'  
के द्वारा समाजवाद का निरूपण  
किया है। वही समाज में फैल रही  
जाति समस्या को भी व्यक्त किया है।  
लेकिन साथ-साथ वे मेरीजों की  
सांस्कृतिक वर्णन करने से भी नहीं चूके हैं।  
कई जगह बिदायत के तथ्य लो ली  
जाट-जाटिन के खेह।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

34

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

नायक जी ओ नायक जी  
खोल देहो निवड़िया जी  
ओ नायक जी

शिल्प भाषा की दृष्टि से विचार को  
तो भाषा में देशज तथा तद्भव  
शब्द आते हैं तो अंग्रेजी के कई  
शब्दों का विकृत रूप आता है।

अंग्रेजी का → मैसचरमन, माटर जी  
विकृत रूप

देशज - धमर्नाआ, समासम।

वही प्रश्नोत्तर जैसे चरित्रों से तत्समी  
भाषा भी मिलती है।

भाषा में मुहावरों तथा लोकोपमियों  
का प्रयोग हुआ है जिससे अर्थवत्ता  
में वृद्धि होती है।

जोह जमीन जोह का, नहि तो काहुका नहि

वही जगह-जगह जमीन शैली



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

35

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

रूप में बीजक तथा अन्य महामात्रों का सन्दर्भ लेकर बात की सत्यता को साबित किया है। जहाँ एक जगह "कॉरि आखा प्रेम का" सन्दर्भ लिया है।

हालांकि वेबू की भाषा ब्रिटीश के लेकर आक्षेप है कि ये बाहरी लोग नहीं समझ पाते। यह आक्षेप सभी औपचारिक उपन्यासों पर लगता है। यह भी सत्य है ऐसा औपचारिक उपन्यासकार भारत में कोई दूसरा नहीं हुआ। उनकी तुलना पश्चिम के लुकास तथा फॉर्नर से की जाती है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

36

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) 'स्कंदगुप्त' नाटक के नामकरण पर विचार कीजिये।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

जयशंकर प्रसाद द्वारा विशाखा, चन्द्रगुप्त, अजातशत्रु, स्कंदगुप्त, अग्निमित्र इत्यादि अनेक नाटकों की रचना की। स्कंदगुप्त नाटक 1928 में संकलित किया गया था।

प्रसाद जी नाटक में इतिहास का उपयोग रोमानी तरीके से करते थे, वे इतिहास का उपयोग कर आधुनिक समस्या उठाते थे। जब नाटक का नाम 'स्कंदगुप्त' आता है तो शकाएक प्रश्न उठता है यह नाम क्यों रखा?

नामकरण तो वह होता है जिसके पद-कर सारे कथ की अनुकूलि हो, उसी प्रकार जब 1928 में भारत के सामने पराधीनता की समस्या थी तब प्रसाद जी ने स्कंदगुप्त को उना क्योंकि उद्योगे समस्त आयवित्ति की दृष्टि से



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

37

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

रक्षा की थी। इसी इसलिए वे स्कंदगुप्त के माध्यम से विजय का बोध करवा रहे थे।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

दूसरा कारण खोजे तो पाते हैं प्रसाद जी की नाट्य परम्परा में चरित्र प्रधान नाटक न तो संस्कृत परम्परा से मिला, नहीं ग्रीक नाट्य परम्परा व न ही पारसी नाट्य परम्परा से। वे तो स्वयं स्वच्छंदतावादी नाटककार थे जिससे चरित्र के माध्यम से पूरे कथ को प्रस्तुत किया।

तीसरा कारण प्रसाद आनंदवाद दर्शन से प्रभावित थे जिसमें समस्या विघ्नता की आती है वहीं समस्या जो कामाक्षी के मनु की है तो <sup>दुःखबोध के</sup> विसराजस की। उस आनंदवाद की अभिव्यक्ति स्कंदगुप्त के माध्यम से होती है



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

38

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

जब स्नेदगुप्त कहते हैं-

॥ अधिकार सुख जितना भादक तथा क्षारहीन है ।"

" मुझे ..... पागलों की विस्मृति चाहिए "

यह स्नेदगुप्त नामकरण सिद्ध होता है लेकिन यह विचार करें कि यह नाम वा तो होता तो क्या होता देवसेना। यह सिर्फ भावनाओं से प्रयुक्त है तथा छायावाद प्रेमभाव दिखाता है। वही स्थिति प्रधान नाम जैसे "हूँ" का आक्रमण" श्री अंगीरस का निचरिण नहीं कहा जाता।

हम कह सकते हैं ' स्नेदगुप्त' नाम नाटक का उचित है जिससे 'आनंद रस' नामक अंगीरस का बोध होता है और स्थानक वसी के आस-पास बना गया है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

39

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) हिन्दी उपन्यास की विकासयात्रा में 'महाभोज' उपन्यास के महत्त्व के कारणों का निर्देश कीजिये।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

मन्नु भण्डारी ने महाभोज, आपका बंदी इत्यादि उपन्यासों का लेखन कर्म किया। महाभोज उपन्यास से हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा को देख सकते हैं।

महाभोज उपन्यास बैलछी राण्ड (1970 के दशक) में हुआ था, तब के भारत की सामाजिक - राजनीतिक स्थितियों का वर्णन तथा मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों की समीक्षा की है।

मन्नु भण्डारी जी ने 'राजनीतिक विद्रुपताओं' को व्यक्त किया है कि एक व्यक्ति 'बिदा' की मूर्त कई पार्टी के लोगों के लिए अवसर का मौका है तो दूसरी पार्टी के लोग उसे दबा रहे हैं कथानक में एक जसंग आया भी है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

40

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

" एक ही बात को कई ढंग से  
सूने के गुर मालूम थे दासाह्व को।

वही राजनीतिक पार्टियाँ जोराव, जैसे  
अपराधियों को शरण देकर सिर्फ  
वोटों की राजनीति कर रही हैं।

सामाजिक विद्रुपताओं में जाति  
व्यवस्था का प्रच्छन्न रूप दिखता है  
जहाँ जोराव रहता है -

" इन दरिजनों के माँ बाप हमारे  
बाप-दादाओं के सामने कमल सुमार  
रहते थे। सुके-सुके कमल तीरु स्मान  
हो जाती थी मसाल है कि ऊपर  
उठा ले और आज --- x x --- "

जातिगत भेदभाव को दिखाया है।

वही शहर के पुलिसकर्मी द्वारा गाँव  
के लोगों के प्रति भावना शहर-गाँव  
सेहतरी की जुगुब की हिन्दी साहित्य  
की परम्परा को दिखाता है जहाँ



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताराकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

41

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

शहरी व्यक्ति गृामीण व्यक्ति से नफ़्त करता है।

वही इस समस्याओं के प्रति बुद्धिजीवी वर्ग को दिखाया है कि अखबार के उठाते ही जो सुरियाँ चेहरे पर भारी वो तीन-चार पेज पर जाकर सामान्य हो गई। जिससे मध्यजीवी वर्ग का तटस्थता रख दिखाता है। हालाँकि उपन्यास के अन्त में पुलिस ऑफिस जो महेश को छोड़ कर भाग आया था। इसका हृदयापरिवर्ति होता है। उपन्यास खत्म होता है...

वह दुर्गिवा, सम्मोहन यरी आग  
बिदा की मौत तक नहीं स्त्री।

साहित्य के  
महाभोज में हिन्दी विकास यात्रा  
को देखा जा सकता है ये समस्याएँ  
आज भी किसी दूसरे रूप में हमारे  
सामने उपस्थित हैं।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

42

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - ख

5. निम्नलिखित पद्यांशों की लगभग 150 शब्दों में संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या लिखिये:

10 × 5 = 50

- (क) नील कमल की तरह कोमल और आर्द्र, वायु की तरह हल्का और स्वप्न की तरह चित्रमय! मैं चाहती थी उसे अपने में भर लूँ और आँखें मूँद लूँ। ...मेरा तो शरीर भी निचुड़ रहा है माँ! कितना पानी इन वस्त्रों ने पिया है! ओह! शीत की चुभन के बाद उष्णता का यह स्पर्श!

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रस्तुत गद्यांश आद्युनि नारकम्  
मोहन राकेश के नाटक 'आषाढ़' के  
एक दिन से लिया गया है जिसमें  
सत्ता-सर्जक संघर्ष, अस्तित्वादी दर्शन  
तथा शहरी-ग्रामीण संघर्ष केन्द्र  
बिन्दु में है।

प्रस्तुत पंक्तियों में जब  
मल्लिका भीग कर आती है तो  
अम्बिका को आषाढ़ की प्रथम  
बारिश में भीगने का सुखद अनुभव  
बता रही है।

मल्लिका कहती है कि  
आषाढ़ महीने की प्रथम बारिश में



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

43

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

वर्षा की बूंदें तथा हल्की-हल्की वायु का बहान मुझे सुकून दे रहा था। मैं मेरे सपने के अनुसार जीवन में थी। मैं चाहती थी कि मैं उसी में रहूँ, उसी में भीगूँ जिससे जीवन की सार्थकता बनी रहे। इतना भीगने के बाद फुटे के आगे बँधने पर जो मन में शान्ति आती है वह और रुकी नहीं है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

विशेष

- ① नवनाट्य लेखन की पारम्परिके अनुस्यू चित्रमयी भाषा का प्रयोग हुआ है।
- ② भाषा प्रवाहमय है।
- ③ प्रकृति का स्पर्श दिखाया गया है।
- ④ अस्तित्ववादी दर्शन को दिखाने के लिए रचना में इनसे आद्यावताप्राद।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

44

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) एक चीज थी जिसे तुम नष्ट कर देना चाहते थे और वह नष्ट हुई, यह प्रमाणित करते हुए कि वह है। मैं जानती हूँ, कि वह है और दो बार तुम उस पर आक्रमण कर चुके हो और वह उन्हें बचा गया है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

उपरोक्त पंक्तियाँ राजेन्द्र यादव  
द्वारा संकलित (एक दुनिया समानता)  
के रघुवीर सहाय की कहानी (विजेता)  
से ली गई है।

पंक्तियों का सन्दर्भ तब आता है  
जब गर्भपात के बाद भी बच्चा बच  
जाया है।

रघुवीर सहाय चहते हैं कि दो  
बार तुमने उसे नष्ट उसे की  
कोशिश की। वह नष्ट हो गई। लेकिन  
मैं जानती हूँ कि वह अभी भी ज़िन्दा है  
तुम उस पर बार-बार आक्रमण कर  
चुके हो लेकिन वह फिर भी बच गई है  
वह उसके द्वारा बचा ली गई है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

45

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

## विशेष

- ① सूर भाषा का प्रयोग हुआ है।
- ② हि-दुस्तानी शैली का प्रयोग तत्सम शब्दों का प्रयोग हुआ है।
- ③ प्रवाहमयी भाषा का प्रयोग हुआ है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

46

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

- (ग) तुम मेरे सम्पूर्ण जीवन के प्रयत्नों को, अपने वंश के भविष्य को एक युवती के मोह में नष्ट कर देना चाहते हो! महापण्डित चाणक्य ने कहा है, "आत्मनं सततं रक्षेत दारैरपि धनैरपि।" पुत्र, स्त्री भोग्य है। मति-भ्रम होने पर मोह में पुरुष स्त्री के लिये बलिदान होने लगता है। वत्स, ऐसी ही परिस्थिति में नीतिज्ञ महत्वाकांक्षी और परलोककामी पुरुष के लिये नारी को पतन का द्वार कहते हैं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रस्तुत पंक्तियों मावसिन्वादी उपन्यासकार यशपाल के उपन्यास 'दित्या' से ली गई हैं जिसमें वे नारी समस्याओं को डेन्डीयता से उठाते हैं।

सन्दर्भ तब आता है जब पृथुसेन राजकन्या विजया से शादी ना करके दित्या को चुनता है तब प्रेक्ष पृथुसेन को समझा रहे हैं।

प्रेक्ष कहता है कि पृथुसेन एक युवती के मोह में मेरी जिन्दगी की समस्त मेहनत को खराब कर रहे हो। उसी सन्दर्भ में वह यागभ्य का कथन करता है। आगे प्रेक्ष कह रहा है बेटे! स्त्री भोग के लिए पैदा



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

47

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

हम हैं जब पुरुष की बुद्धि अष्ट हो  
जाती है तब वह स्त्री के लिए  
बलियान करता है। ऐसी स्थिति में  
नीतिकाशों ने नारी को विनाश का  
द्वार कहा है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

विशेष

- ① नारी की पराधीनता तथा नारी को भोग्य दिखाया है।
- ② चाणक्य के कथन से प्रेम्पसे वक्तव्य को सिद्ध किया है।
- ③ प्रसंगानुसृत वातावरण पुनः भाषा का प्रयोग किया है।
- ④ तत्सम शब्दावली का प्रयोग हुआ है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

48

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(घ) लेकिन धरती माता अभी स्वर्णाचला है! गेहूँ की सुनहली बालियों से भरे हुए खेतों में पुरवैया हवा लहरें पैदा करती है। सारे गाँव के लोग खेतों में हैं। मानो सोने की नदी में, कमर-भर सुनहले पानी में सारे गाँव के लोग क्रीड़ा कर रहे हैं। सुनहली लहरें! ताड़ के पेड़ों की पंक्तियाँ झरबेरी का जंगल, कोठी का बाग, कमल के पत्तों से भरे हुए कमला नदी के गड्ढे! डॉक्टर को सभी चीजें नई लगती हैं। कोयल की कूक ने डॉक्टर के दिल में कभी हूक पैदा नहीं की। किंतु खेतों में गेहूँ काटते हुए मजदूरों की 'चैती' में आधी रात को कूकनेवाली कोयल के गले की मिठास का अनुभव वह करने लगा है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

उपरोक्त पंक्तियाँ आँचलिक उपन्यासकार  
फणीश्वरनाथ रेणु के 'मेला आँचल'  
से ली गई हैं जिसमें ग्रामीण जीवन  
की भौगोलिक - सांस्कृतिक जीवन को  
दिखाया गया है।

सन्दर्भ में पंक्तियाँ ग्रामीण  
जीवन की सुन्दरता को व्यक्त करती हैं।

लेखक कहता है धरती माता  
का आँचल सोने जैसा हो गया है।  
गेहूँ की फसल पर उनी है। बुलवा के  
कारण सारे गाँव के लोग क्रीड़ा  
कर रहे हैं कमला नदी के गड्ढे,  
कोठी का बाग, झरबेली के जंगल



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

49

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

की सभी चीजे डॉक्टर उशोत को नई-नई लगती हैं। कोयल की आवाज में मजदूरों की आधी रात की आवाज को भ्रमव करने लगा है। डॉक्टर जॉव के माईल में रम गया है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

### विशेष

- ① ग्रामीण संस्कृति का वर्णन किया है।
- ② "स्वर्णचिह्न" उपमा अलंकार है।
- ③ तत्सम शैली का प्रयोग डॉक्टर उशोत के प्रसंगानुसार है।
- ④ उवाचमयी भाषा का प्रयोग हुआ है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

50





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ड) अधिकार-सुख कितना मादक और सारहीन है। अपने को नियामक और कर्ता समझने की बलवती स्पृहा उससे बेगार कराती है। उत्सवों में परिचारक और अस्त्रों में ढाल से भी-अधिकार लोलुप मनुष्य क्या अच्छे हैं? उंह। जो कुछ हो, हम साम्राज्य के एक सैनिक हैं।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

प्रस्तुत पंक्तियाँ आधुनिक नाटकशास्त्र  
जयशंकर प्रसाद के नाटक 'संवेग' से ली गई हैं जिसमें प्रसाद जी ऐतिहासिक चरित्र लेते हुए नवजागरण का प्रयास का रहे हैं।

सन्दर्भ में संवेग के आनंदवाद दर्शन को केन्द्र में रखा है और उसके बारे में वर्णन दिया है।

संवेग सोचता है अधिकार सुख कितना नशा पैदा करता है। जिसके बल पर खुद को नियामक तथा कर्ता समझ बैठता है और वह उसके विनाश का कारण बनती है। उत्सवों में परिचारक तथा भस्त्रों में ढाल से भी अधिकार क्यों चाहिए। उसे ज्यादा



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
कोरोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बरलिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

51

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

अधिकार क्यों चाहिए। वह आगे सोचता है मुझे क्या मैं साम्राज्य का एक सैनिक हूँ।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

**विशेष**

- ① स्कंदगुप्त के माध्यम से भोगीरथ 'भानंद' को दिखाया गया है।
- ② उल्लंगदेव तत्सम भाषा का प्रयोग किया है।
- ③ भाषा उदात्त है।
- ④ सूत्र भाषा का प्रयोग हुआ है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

52

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (क) क्या आप कतिपय आलोचकों के इस मत से सहमति रखते हैं कि गोदान मनुष्यों की नहीं मनुष्य की कथा है? अपना मत प्रकट करते हुए होरी की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिये।

20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

53

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न  
संख्या के अतिरिक्त कुछ  
न लिखें।

(Please do not write  
anything except the  
question number in  
this space)

कृपया इस स्थान में  
कुछ न लिखें।

(Please don't write  
anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कैड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

54

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कैड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

55

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न  
संख्या के अतिरिक्त कुछ  
न लिखें।

(Please do not write  
anything except the  
question number in  
this space)

कृपया इस स्थान में  
कुछ न लिखें।

(Please don't write  
anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

56

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) 'देवसेना' हिन्दी नाट्य परंपरा की अविस्मरणीय चरित्र है।' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? सहमति या असहमति के कारण बताइए।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्केड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

57

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

58

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)





कृपया इस स्थान में प्रश्न  
संख्या के अतिरिक्त कुछ  
न लिखें।

(Please do not write  
anything except the  
question number in  
this space)

कृपया इस स्थान में  
कुछ न लिखें।

(Please don't write  
anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कोड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

59

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) 'नई कहानी' की विशेषताओं के संदर्भ में राजेंद्र यादव की कहानी 'टूटना' पर विचार कीजिए।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

60

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

61

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

62

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (क) 'तुलसी साहित्य के सामंत-विरोधी मूल्य' निबंध के आधार पर गोस्वामी तुलसीदास के रचनाकर्म के प्रति डॉ. रामविलास शर्मा के मत की उपस्थापना कीजिये।

20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

63

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न  
संख्या के अतिरिक्त कुछ  
न लिखें।

(Please do not write  
anything except the  
question number in  
this space)

कृपया इस स्थान में  
कुछ न लिखें।

(Please don't write  
anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

64

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कोड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

65

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न  
संख्या के अतिरिक्त कुछ  
न लिखें।

(Please do not write  
anything except the  
question number in  
this space)

कृपया इस स्थान में  
कुछ न लिखें।

(Please don't write  
anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

66

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) 'अलगयोझा' कहानी के कथ्य का विश्लेषण कीजिये।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्केड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

67

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न  
संख्या के अतिरिक्त कुछ  
न लिखें।

(Please do not write  
anything except the  
question number in  
this space)

कृपया इस स्थान में  
कुछ न लिखें।

(Please don't write  
anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कैड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

68

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कोड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

69

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) कुबेरनाथ राय के निबंधों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कैड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

70

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न  
संख्या के अतिरिक्त कुछ  
न लिखें।

(Please do not write  
anything except the  
question number in  
this space)

कृपया इस स्थान में  
कुछ न लिखें।

(Please don't write  
anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

71





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

72

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: [help@groupdrishti.in](mailto:help@groupdrishti.in) :: वेबसाइट: [www.drishtiIAS.com](http://www.drishtiIAS.com)

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. (क) प्रेमचंद के निबंध 'साहित्य का उद्देश्य (प्रगतिशीलता)' के आधार पर उनकी साहित्य-संबंधी मान्यताओं को प्रस्तुत कीजिये।

20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

जिस प्रकार शुक्ल जी ने काव्य प्रतिमानों के लिए 'कविता क्या है' निबंध का प्रयोग किया। वही पुस्तिकों ने 'साहित्य का डायरी'। उसी प्रकार प्रेमचंद ने कवि या लेखक की साहित्य की प्रगतिशीलता को इस निबंध में दिखाया गया है।

① प्रेमचंद साहित्यकार को प्रगतिशील मानते हैं। वे कहते हैं -

"साहित्यकार प्रगतिशील होता है अगर वह नहीं होता तो साहित्यकार न होता।"

② प्रेमचंद अपने समय के रोमांटिक, नश्वरवादी तथा मनोरंजनकारी साहित्यिक क्षमता को पूर्णतः खारिज करते हैं।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

73

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(iii) प्रेमचंद साहित्य की सामाजिक उपयोगिता पर बत देते हैं वे समाज के काम न आने वाले साहित्य को प्रगतिशील साहित्य के अन्तर्गत शामिल नहीं करते।

(iv) साहित्यकार प्रगतिशीलता को मूलतः वे जन्मजात मानते हैं लेकिन उससे भी भागे वे स्नानार्जन तथा प्रवास को महत्व देते हैं। वे साहित्य में जो प्रगतिशीलता को लेकर लगातार मेहनत का रहा है उसे श्रेष्ठ मानते हैं।

(v) प्रेमचंद समाज तथा सामाजिक प्रेम के विषय को विवन्ध का विषय बनाते हैं।

साहित्यकार का लक्ष्य भी जुयाना तथा महफिल जुयाना नहीं है इसकी



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

74

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

आगे वह समाज में प्रभाव डालने वाली होनी चाहिए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(VI) प्रेमचंद साहित्यकार के लिए स्वतः स्फूर्ति भावों की जगह विशेष विशेष चपन या बल देते हैं। वे कहते हैं भावों का उचित प्रबंध का समाज के प्रयोजशीलता तथा प्रगतिशीलता में उपयोग किया जाना चाहिए।

(VI) प्रेमचंद साहित्यकार को सेवा कर्म का दर्जा देते हैं वे धन उपार्जन के कर्म का बनाने से साफ इंकार करते हैं। वे कहते हैं

" धन के लिए भेदों में उपासक  
--- काव्य तो प्रगतिशीलता में  
समाज के लचीले पक्षों को चमकाने वाला होना चाहिए।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

75

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(viii) प्रेमजेंद जनसाधारण के लिए साधारण भाषा व शिन्धो के प्रयोग पर बल देते हैं जिससे साहित्य से ज्यादा जुड़ाव महसूस करा सके।

(ix) भाषा को ऐसी प्राथमिकता देनी चाहिए क्योंकि वही संचार का माध्यम होता है।

कहा जा सकता है प्रेमजेंद का निबंध 'साहित्य का उद्देश्य' साहित्य संबंधी मान्यताओं को प्रस्तुत करता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कैड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

76

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) 'रेणु का कथा शिल्प कहा आंचलिक जाता है जो एक माने में ठीक है, पर उपन्यास की दृष्टि में सम्पूर्ण जातीय जीवन एक साथ समोया हुआ है।' यदि ऐसा है तो क्या हम मान सकते हैं कि 'गोदान' के बाद की कथा 'मैला आँचल' कहता है?

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

15

फणीश्वरनाथ रेणु आंचलिक उपन्यासकार

थे। उन्होंने मैला आँचल में आँचल का नायकत्व पेश किया। इस सन्दर्भ में कथा शिल्प आंचलिक कहा जाता है।

आंचलिक कथा शिल्प में तदभव तथा देशज शब्द तथा अंग्रेजी शब्दों का विकृत रूप सामने आता है। जैसे - शैलचरमन इत्यादि। साथ ही कथा में अनेक शब्द स्थानीय भाषा से आते हैं और रेणु खुद भी कहते हैं -

"यह है मैला आँचल -- एक आंचलिक उपन्यास -- x x x इसी एक गाँव को मिछटे गाँवों का प्रतीक मानकर कथानक की रचना कर दी।

रेणु ने कहा है कि इस तरह के गाँव



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कैड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

77

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत में कोने - कोने में मौजूद हैं जिससे यह उपन्यास औन्नतिका में राष्ट्रीयता का बोझ लगाए हुए है।

वही बात जोदान की स्त्री को प्रेमचंद जी कहते हैं -

"अवद्य जन्त के बेकारी तथा बेकारी गाँव की क्या है जिला बताने की जरूरत नहीं है।"

जोदान में कथानक में देशकाल-वातावरण में राष्ट्रीयता का बोझ होता है जहाँ प्रेमचंद को भी संकेत देने से बचे हैं। जबकि रेणु ने संकेत दिया है इससे कहा जा सकता है कि रेणु के उपन्यास को एक 'अन्नदाता' का वर्णन किया है लेकिन उसका प्रभाव भारत के कोने - कोने में



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

78

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

दिखाता है तो जोवान की कथा  
सम्पूर्ण भारत के हर जिले में किसान  
संवर्ष, बेमेल विवाह, सामाजिक कुरीतियाँ  
दिखाती हैं जो हर कहीं दिखती हैं।

प्रश्न यह है कि जोवान के भागे की  
कथा मैला भौंचल रहता है। यह बात  
कुछ दूर तक सही है जोवान राष्ट्रीय  
प्रतिनिधि महाकाव्य है, वहीं उन्हीं समस्याओं  
को एक छंद सूत्र रूप में मैला भौंचल  
दिखाता है जिसमें चाहे राजनीतिक  
विकृपता हो या सामाजिक कुरीतियाँ।

हालांकि राजनीतिक विकृपताओं,  
शहरी कथा, सामन्तवाद, पूँजीवाद इत्यादि  
जगहों में दोनों कथाओं में अन्तर  
भी दिखता है।

मैला भौंचल तथा जोवान दोनों उपन्यास  
प्रतिष्ठित उपन्यास हैं जो अपनी महाकाव्यता  
दिखाते हैं।

**दृष्टि**  
The Vision

641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बर्लिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

79





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) 'अप्रमाणिकता का संकट' 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की संवेदना का मुख्य पक्ष है।' इस कथन पर विचार कीजिये।

15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

मोहनराजेन्द्र नवनाट्य दौरे के लेखक हैं। वे कालिदास के पुस्तक का सहारा लेकर 'आषाढ़ के एक दिन' नाटक की ~~अप्रमाणिकता~~ के लगभग सभी पात्रों से अप्रमाणिकता का बोध कराते हैं।

नाटक के शुरु में मल्लिका कहती हैं-

"क्या अधिकार उन्हें कुछ उल्लेख का मल्लिका का जीवन उसी खुद सम्पत्ति की है वो जी में आए वो रहे।"

यह प्रमाणिकता दिखाती है लेकिन आगे वही मल्लिका जब कालिदास लौटकर आता है तब कहती है-

"मैं तुम्हारे ~~जीवन~~ जीवन में नहीं रही लेकिन तुम मेरे जीवन में सदा बने रहे। आपकी ~~स्वप्न~~ ~~पुस्तक~~ में सारा ~~प्रमाण~~ ~~नहीं है~~।"



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
बसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

80

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

वही मल्लिका का जीवन अप्रमाणिक हो जाता है

वही कालिदास जो गाय-भैंस चराता है जब राजदरबार में जाता है और उसके बाद उसी का राजा मानसुष्ट बनता है, ये दोनों निष्पत्ति उसी की भंतरात्मा से न होकर बाह्य परिस्थितियों पर आधारित थे। वह स्वयं स्वीकारता है -

"मुझे भीगने दो, यह भीगना ही मेरी सार्थकता है। वर्षों बाद भीगा हूँ। -- भीगने से मेरा वर्षों का ज्वर उतर गया है।"

वस्तुतः सार्ज, कामू अप्रमाणिकता को समझाते हैं कि जब व्यक्ति द्वारा निष्पत्ति अप्रमाणिक या बिना अंतरात्मा के प्रयोग से लिया जाएगा तो उसका



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिंगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

81

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation





कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।  
(Please don't write anything in this space)

जीवन अप्रमत्त हो जाएगा।  
कालिदास का पहला निर्णय राजद्वारा  
तथा दूसरा राजा बनना रसकाद्योत्सव  
है।

इसी क्रम में वह भन्त में प्रवास  
करता है कि भव कोई नया महानाल  
यहाँ लिखा जाता है।

आषाढ के एक दिन में इसके  
अलम्बा सज्जि-सन्ता का हस्त, प्रशासक  
अधिकारियों का क्रम बौद्धिक होना तथा  
गृहीण-शहरी लोगों का प्रकृति प्रेम  
को विषय भी बनाया गया है।

इन सबके होते हुए भी अप्रमत्तता  
का सेंसर आषाढ के एक दिन की  
मुख्य संवेदना है।



641, प्रथम तल,  
मुखर्जी नगर,  
दिल्ली

21, पूसा रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली

13/15, ताशकंद मार्ग,  
निकट पत्रिका चौराहा,  
सिविल लाइन्स, प्रयागराज

47/CC, बलिगटन आर्कड  
मॉल, विधानसभा मार्ग,  
लखनऊ

प्लॉट नंबर-45 व 45-A  
हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,  
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

82

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright - Drishti The Vision Foundation